दैनिक
भारतेन्दु शिखर

वर्ष : 26 | अंक : 23 | शिमला | बुधवार, 21 मई, 2025 | मूल्य : 1.50 रुपए

शिमला : संयुक्त किसान मंच, हिमाचल प्रदेश के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू से भेंट की। इस मौके पर उन्होंने मुख्यमंत्री को किसानों से जुड़ी विभिन्न मांगों और समस्याओं से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से सेब उत्पादकों के हितों की रक्षा के लिए केंद्र सरकार से सेब पर आयात शुल्क बढ़ाने का मुद्दा उठाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को उनकी सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया।

छपते-छपते

हिमाचल सतत पर्वतीय विकास को अपनाएगा : पठानिया

शिमला : विधायक एवं उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि हिमाचल प्रदेश नॉर्वे के सफल और समावेशी पर्वतीय विकास मॉडल को अपनाएगा। यह बात उन्होंने आज नॉर्वेजियन संसद के दौरे के उपरान्त कही। पठानिया ने कहा कि हिमाचल और नॉर्वे, दोनों में पहाड़ी भौगोलिक परिस्थितियां, प्राकृतिक सुंदरता और जल संसाधनों की प्रचुरता जैसी समानताएं हैं, लेकिन इन संसाधनों के उपयोग के तरीके अलग हैं। उन्होंने कहा कि नॉर्वे ने स्थानीय स्व-शासन संस्थाओं को सशक्त किया है, भविष्य के लिए तैयार आधारभूत ढांचा विकसित किया है और पर्यावरण के अनुकूल दीर्घकालिक विकास मॉडल अपनाया है। उन्होंने हिमाचल में पंचायतों और खंड स्तर की संस्थाओं को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे विकास में तेजी आएगी, प्रशासन तंत्र अधिक उत्तरदायी और मजबूत बनेगा।

नॉर्वे की सुरंग निर्माण तकनीक, इलेक्ट्रिक वाहनों और कचरा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में प्रगति का उल्लेख करते हुए श्री पठानिया ने कहा कि हिमाचल इन क्षेत्रों में वैज्ञानिक योजना और सार्वजनिक-निजी साझेदारी को अपनाकर लाभ उठा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सतत पर्यटन की दिशा में आगे बढ़ेगा और नॉर्वे के वर्ष भर चलने वाले ईको-टूरिज्म मॉडल का अध्ययन कर इसे अपनाएगा। पठानिया ने कहा कि राज्य सरकार दीर्घकालिक दृष्टिकोण, हरित विकास नीतियों और जन-केंद्रित शासन के माध्यम से प्रदेश को एक समृद्ध भविष्य की ओर ले जाने के लिए कार्य करेगी।

उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री से कुटलैहड़ के विधायक ने की भेंट

शिमला : उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री से आज शिमला में कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र से विधायक विवेक शर्मा ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर विधायक विवेक शर्मा ने उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री को ऊना जिले के बंगाणा क्षेत्र में आयोजित होने वाले 'जिला स्तरीय पिपलू मेला' में बतौर मुख्यातिथि शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री 10 जून को शिपकी-ला से सीमा पर्यटन गतिविधियों का करेंगे शुभारंभ

▶ इन क्षेत्रों में आने वाले पर्यटकों को आधार कार्ड दिखाना अनिवार्य होगा

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू 10 जून, 2025 को किन्नौर जिला के शिपकी-ला से सीमा पर्यटन गतिविधियों का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री इस अवसर पर सद्भावना साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। राज्य सरकार ने रक्षा मंत्रालय से राज्य के सीमावर्ती क्षेत्र लेप्चा, शिपकी-ला, गिउ और रानी कंडा में पर्यटन गतिविधियों की अनुमति प्रदान करने का आग्रह किया था और इस संबंध में रक्षा मंत्रालय से स्वीकृति प्राप्त हुई है। इन क्षेत्रों में आने वाले पर्यटकों को अधिकारियों को आधार कार्ड दिखाना अनिवार्य होगा। इसके उपरांत वे इन क्षेत्रों के नैसर्गिक सौंदर्य को निहार सकेंगे। सरकार की यह पहल सीमावर्ती क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने में कारगर साबित होंगी, जिससे स्थानीय लोगों की आर्थिकी सुदृढ़ होगी। इस संदर्भ में इस वर्ष 19 अप्रैल को सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी। मुख्यमंत्री ने आज यहां सेना अधिकारियों और बीआरओ के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने अधिकारियों के साथ विभिन्न सीमा विकास परियोजनाओं की समीक्षा की तथा उन्हें इन परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तथा सैन्य बलों को सर्वोत्तम लाभ मिल सके।

उन्होंने लोक निर्माण विभाग तथा सीमा सड़क संगठन के अधिकारियों को विकासात्मक परियोजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन के लिए समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी नई दिल्ली दौरे के दौरान वह केंद्र सरकार के समक्ष हिमाचल स्काउट बटालियन की स्थापना का मामला प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने कहा कि स्थानीय युवा क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों से भली-भांति परिचित है इसलिए स्थानीय युवाओं का यह विशेष बल राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में किसी भी स्थिति से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए स्पीति घाटी के रंगरीक में हवाई अड्डा स्थापित करने का मामला भी केंद्र के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र में चल रही विभिन्न सड़क परियोजनाओं पर विचार-विमर्श किया तथा बीआरओ को परियोजनाओं को पूरा करने में सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि निथलथाच-हर्षिल सड़क परियोजना को सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण परियोजना घोषित किया जाएगा तथा इस परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर क्रियान्वित किया जाएगा। इससे हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड के मध्य बेहतर संपर्क सुविधा सुनिश्चित होगी, जिससे पर्यटन तथा व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने सीमा सड़क संगठन को संसारी-किलाड़-थिरोट-तांदी सड़क के निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बेहतर सड़क सम्पर्क सुविधा उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

'एआई के माध्यम से नेतृत्व सशक्तिकरण' विषय पर कार्यशाला आयोजित

शिमला : डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं शासन विभाग द्वारा 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से नेतृत्व सशक्तिकरण' विषय पर आज यहां एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का शुभारंभ मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार नवाचार, शासन एवं डिजिटल प्रौद्योगिकी गोकुल बुटेल ने किया। इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के सचिवों, विभागाध्यक्षों सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार नवाचार, शासन एवं डिजिटल प्रौद्योगिकी गोकुल बुटेल ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य नेतृत्व कौशल को तकनीकी नवाचार, विशेषकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), के माध्यम से सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमें बड़ी आसानी से सूचनाओं के विश्लेषण करने, निर्णय लेने में तेजी लाने और कार्यों को स्वचालित करने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित विश्लेषण हमें बड़े डेटा से महत्वपूर्ण जानकारी निकालने में सहायता करता है, जिससे नेतृत्व निर्णयों को अधिक तर्कसंगत और सटीक बना सकते हैं। गोकुल बुटेल ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी एआई के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और नवाचार के माध्यम से प्रशासनिक कार्यों में सुधार और आमजन के जीवन स्तर में सुधार कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि दिन प्रतिदिन के कार्यों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल, कार्य करने की क्षमता को आसान कर देगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में डिजिटल प्रौद्योगिकी के महत्व को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार राज्य को डिजिटल हब बनाने की राह पर अग्रसर है। शासन में सूचना प्रौद्योगिकी का व्यापक इस्तेमाल पर बल देते हुए विभिन्न विभागों की सेवाओं की उपलब्धता डिजिटल माध्यम से सुनिश्चित बना रही है तथा सरकार द्वारा प्रत्येक क्षेत्र में डिजिटल प्रौद्योगिकी का समावेश किया जा रहा है। युवाओं को भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करने के दृष्टिगत शैक्षणिक संस्थानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पाठ्यक्रम शुरू किया गया है।

शिमला में शुरु हुआ एग्जिबिशन कम नोलज शेयरिंग फॉर टेक्सटाईल एडवॉन्टेज

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 'एकता' एग्जिबिशन कम नोलज शेयरिंग फॉर टेक्सटाईल एडवॉन्टेज) शिमला में शुरू हो गया है। इसका थीम 'करघे से जीवनशैली तक : परम्परा से बुना भविष्य' है। इसका उद्घाटन हिमाचल प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना, आईएएस द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम शिमला के पदम देव कॉम्प्लेक्स, द रिज़ में 26 मई 2025 तक चलेगा।

एकता मंच वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार और हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार की एक संयुक्त पहल है जिसका उद्देश्य ऊन, जूट और रेशम शिल्प में हिमाचल की उभरती ताकतों को प्रदर्शित करके इन प्रयासों को बढ़ाना, स्थायी आजीविका को बढ़ावा देना और कारीगरों को राष्ट्रीय और वैश्विक वस्त्र मूल्य श्रृंखलाओं में एकीकृत करना है। यह आयोजन कपड़ा व्यवसायियों, नीति निर्माताओं और कारीगरों के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करेगा, जिससे अंतर-राज्यीय सहयोग, व्यापारिक जुड़ाव, तकनीकी ज्ञान और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा।

इस दौरान, हिमाचल प्रदेश के मुख्य सचिव प्रभोध सक्सेना, आईएएस, ने कहा, यह आयोजन भारत सरकार की पहल है,

जिसमें विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की भी भागीदारी है। इस बार का आयोजन यहां आने वाले पर्यटकों के लिए एक विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा। आयोजन में शामिल होने के लिए देशभर से कारीगर और बुनकर यहां पहुंचे हैं, जिनकी कला और परंपरा को नजदीक से देखने का अवसर सभी को मिलेगा।

शुभ्रा, व्यापार सलाहकार, वस्त्र मंत्रालय, ने कहा, इस प्रदर्शनी में विभिन्न राज्यों के स्टाल लगाए गए हैं, जिनमें मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर शामिल हैं। प्रदर्शनी में हैंडमेड उत्पादों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। भारत में वस्त्र उद्योग तेज़ी से आगे बढ़ रही है, इसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं और हमारा प्रयास है की इसे वैश्विक स्तर पर आगे लेकर जाएं। इस मौके पर बोले हुए रोहित कंसल, आईएएस, अतिरिक्त सचिव, वस्त्र मंत्रालय, ने कहा, एकता में ज्ञान साझा करने वाले सत्रों के दौरान, हमारे बुनकरों और हस्तशिल्पकारों को नई तकनीकों, डिज़ाइन ट्रेंड्स और डिजिटल मार्केटिंग की जानकारी मिलेगी।राज्यों के बीच सहयोग, संसाधनों की साझेदारी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के ज़रिए हम पारंपरिक हुनर को न केवल संरक्षित करेंगे, बल्कि कारीगरों को नए बाज़ारों तक पहुँच दिलाकर उनके लिए रोज़गार और विकास के नए रास्ते भी खोलेंगे।

इस अवसर पर भारत सरकार और हिमाचल प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे जिसमे

शुभ्रा व्यापार सलाहकार, वस्त्र मंत्रालय; आर.डी. नज़ीम, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार; रोहित कंसल, आईएएस, अतिरिक्त सचिव, वस्त्र मंत्रालयमोलॉय चंदन चक्रवर्ती, जूट आयुक्त, भारत सरकार;, और शशि भूषण सिंह, सचिव, नेशनल जूट बोर्ड भी उपस्थित रहें। इस आयोजन के दौरान 19 से 21 मई तक गेयटी थिएटर, शिमला में ज्ञान साझा करने वाले सत्र और कार्यशालाएं भी आयोजित की जा रही हैं।

पीएम आवास योजना का लाभ उठाने को 28 मई तक करें आवेदन

भारतेन्दु संवाददाता

धर्मशाला : धर्मशाला नगर निगम के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी- 2 के तहत अब अपना खुद का पक्का घर बनाने की प्रक्रिया को सरल कर दिया गया है। यह जानकारी देते हुए संयुक्त आयुक्त जितेंद्र कुमार ने बताया कि यदि आपके पास धर्मशाला नगर निगम क्षेत्र में स्वयं की जमीन है और आप उस पर पक्का मकान बनाना चाहते हैं, तो केंद्र सरकार की इस योजना के अंतर्गत आपको अढ़ाई लाख तक की सहायता राशि प्रदान की जा सकती है। योजना का लाभ उठाने के लिए कुछ पात्रता मापदंड निर्धारित किए गए हैं। इसमें आवेदक का भारतीय नागरिक होना, उसके पास धर्मशाला नगर निगम क्षेत्र में अपनी स्वयं की भूमि होना, परिवार के किसी भी सदस्य को पूर्व में सरकारी सहायता से पक्का मकान न मिला होना, तथा आवेदक आय प्रमाण पत्र के अनुसार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग आय 3 लाख रूपये तक या निम्न आय वर्ग आय तीन लाख से छह लाख तक हो। इसके अतिरिक्त, आधार कार्ड होना अनिवार्य है। इस योजना के लिए आवेदन करते समय आपको कुछ आवश्यक दस्तावेज साथ लाने होंगे, जैसे कि आधार कार्ड, जमीन के स्वामित्व के कागजात, आय प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो और बैंक खाता विवरण। आवेदन की अंतिम तिथि 28 मई 2025 है।

रामपुर एचपीएस ने विशेष स्वच्छता अभियान का किया आयोजन

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : विद्युत मंत्रालय व निगम कार्यालय, एसजेवीएन के दिशा-निर्देशों के तहत रामपुर एच पी एस, बॉयल द्वारा 16 मई से 31 मई 2025 तक स्वच्छता पखवा का आयोजन किया रहा है। इसी कड़ी में 20 मई को रामपुर कार्यालय परिसर तथा आसपास के क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान एवं श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विकास मारवाह, परियोजना प्रमुख , रामपुर एच पी एस के नेतृत्व में सभी विभागाध्यक्षों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक अपना श्रमदान देते हुए क्षेत्र की सफाई कर स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई।

इस अवसर पर विकास मारवाह ने कहा कि, स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के तहत सभी कार्यक्रमो को एसजेवीएन के उच्च प्रबंधन के उचित मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने स्वच्छता को जीवन का अनिवार्य हिस्सा बताते हुए सभी को इससे जुड़ने के लिए आह्वान किया और कहा कि यह पहल न केवल कार्यालय परिसर की स्वच्छता को सुनिश्चित करती है, बल्कि स्वच्छ भारत मिशन की भावना को आगे बढ़ाते हुए सामूहिक उत्तरदायित्व का संदेश भी देती है।

नशा मुक्ति हेल्पलाइन नंबरों और मोबाइल ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए : राठौर

भारतेन्दु संवाददाता

मंडी : अतिरिक्त उपायुक्त मंडी रोहित राठौर ने नशा मुक्ति हेल्पलाइन नंबरों और 'ड्रग फ्री हिमाचल' मोबाइल ऐप की जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 1800-11-0031, 1933 तथा 14446 नशा मुक्ति हेल्पलाइन नंबर सक्रिय हैं, जिनके माध्यम से आमजन नशे की रोकथाम, परामर्श और उपचार से संबंधित सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं। अतिरिक्त उपायुक्त आज यहां नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) के अंतर्गत दिनांक 30 अप्रैल, 2025 को आयोजित जिला स्तरीय समिति की बैठक के निर्णयों की अनुपालना के लिए

बुलाई गई समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि 'ड्रग फ्री हिमाचल' मोबाइल ऐप के माध्यम से नागरिक गोपनीय रूप से नशीले पदार्थों की तस्करी, भंडारण, सेवन और बिक्री जैसी गतिविधियों की सूचना सीधे पुलिस को दे सकते हैं, जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

बैठक में संबंधित विभागों, संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों एवं सामाजिक संगठनों ने अपनी कार्य योजनाएं तथा अब तक की गई कार्यवाही की रिपोर्ट प्रस्तुत की। अतिरिक्त उपायुक्त ने सभी संस्थाओं से आग्रह किया कि वे शिक्षण संस्थानों की पहचान कर उन्हें नियमित रूप से कवर करें और वहां उपयुक्त स्वयंसेवकों की तैनाती करें।

इस अवसर पर उन्होंने जिला लोक संपर्क अधिकारी को निर्देश दिए कि हेल्पलाइन नंबरों और ऐप की जानकारी का अधिकतम प्रचार-प्रसार किया जाए। साथ ही उच्च शिक्षा उपनिदेशक को निर्देश दिया कि सभी सरकारी व निजी शैक्षणिक संस्थानों में फ्लेक्स बोर्ड लगाकर हेल्पलाइन नंबरों व ऐप की जानकारी प्रदर्शित की जाए और इस कार्य की रिपोर्ट शीघ्र कार्यालय को भेजी जाए।

मिशन तृप्ति : कांगड़ा की अनूठी एवं अभिनव पहल : हेमराज बैरवा

भारतेन्दु संवाददाता

धर्मशाला : जिला कांगड़ा में कुपोषण और अनीमिया जैसी समस्याओं के समाधान हेतु चलाए जा रहे मिशन तृप्ति अभियान के अंतर्गत बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय, रैत में एकदिवसीय जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यशाला में शिरकत की। कार्यशाला में जिले के 15 विकास खंडों से सीडीपीओ, पोषण समन्वयकों, आंगनबाड़ी सुपरवाइजरों एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधियों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

उपायुक्त श्री बैरवा ने मिशन तृप्ति को जिला कांगड़ा की एक अभिनव पहल बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य मातृ एवं शिशु पोषण में सुधार कर कुपोषण और अनीमिया जैसी स्वास्थ्य समस्याओं का स्थायी समाधान करना है। उन्होंने बताया कि शिशु की प्रारंभिक आयु के दो वर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि इस अवधि में उनके 85त्न मस्तिष्क का विकास हो जाता है। ऐसे में संतुलित पोषण अत्यावश्यक है। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के पश्चात मास्टर ट्रेनर खंड स्तर पर आंगनबाड़ी व स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को प्रशिक्षित करेंगे।

वस्त्र मंत्रालय
MINISTRY OF
TEXTILES
सत्यमेव जयते

हिमाचल प्रदेश सरकार

एकता

हिमाचल प्रदेश में वस्त्र के लाभ पर प्रदर्शनी एवं ज्ञान साझाकरण सत्र

वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार आपको सादर आमंत्रित करता है

हथकरघा, हस्तशिल्प, रेशम, ऊन और जूट के

विविध उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री

19 से 26 मई 2025

स्थान: पदम देव कॉम्प्लेक्स, द रिज, शिमला

ज्ञान सत्र: सुबह 11:00 से दोपहर 1:00 बजे तक

ज्ञान सत्र: दोपहर 02:00 से शाम 05:00 बजे तक

स्थान: गेयटी थिएटर, मॉल रोड, शिमला

19 मई 2025	1. एमओटी (पीएम मित्र, इन्फ्रा, एसआईटीपी सहित), एमओटी और हिमाचल राज्य सत्र एमपीएच द्वारा सत्र की पहल	2. सत्र निर्यात | निर्यात प्रभाग एमओटी एमपीएच	एमओटी + एचपी स्टेट-8 वक्ता, 300 प्रतिभागी निर्यात-4 वक्ता, 150 प्रतिभागी
20 मई 2025	1. सत्र समर्थ | समर्थ डिविजन एमओटी | एमपीएच 2. सत्र जूट के विविध उत्पाद-कौशल, पिछड़े और आगे के लिंकेज, बाजार और निर्यात के अवसर एनजेबी सीएच	3. सत्र एनटीटीएम | जूट जियो-टेक्सटाइल्स और तकनीकी टेक्सटाइल्स | एनजेबी और एनटीटीएम एमओटी | एमपीएच 4. सत्र सिल्क | सीएसबी | सीएच	समर्थ-4 वक्ता, 150 प्रतिभागी जेडीपी एनजेबी-6 वक्ता, 70 प्रतिभागी एनटीटीएम+जेजीटी एनजेबी 11 वक्ता, 200 प्रतिभागी सिल्क सीएसबी-4 वक्ता, 50 प्रतिभागी
21 मई 2025	1. निर्यात विपणन, ब्रांडिंग और ई-कॉमर्स के लिए जीएल की प्रासंगिकता सत्र डीसी हैंडलूम और डीसी हस्तशिल्प एमपीएच 2. सत्र हिमाचल की ऊन विरासत, ऊन और रेशम का मिश्रण | सीडब्ल्यूडीबी और सीएसबी | सीएच	3. सत्र | सस्टेनेबल फ़ैशन | एनआईएफटी | एमपीएच 4. एचपी/टीएक्ससी ऑफिस सीएच में कपड़ा विनिर्माण मूल्य श्रृंखला के लिए गुंजाइश और क्षमता	हथकरघा + हस्तशिल्प: 12 वक्ता, 200 प्रतिभागी ऊन + रेशम: 4 वक्ता, 50 प्रतिभागी एनआईएफटी: 4 वक्ता, 200 प्रतिभागी टीएक्ससी: 5 वक्ता, 50 प्रतिभागी

के सहयोग से

CENTRAL SILK BOARD, INDIA · DCHL · INDIA HANDLOOM · Development Commissioner (Handicrafts) Ministry of Textiles, Govt. of India · JUTE MARK INDIA

आयोजक
राष्ट्रीय पटसन बोर्ड NATIONAL JUTE BOARD
MINISTRY OF TEXTILES, GOVT. OF INDIA

सपनों को बुनता करघा

भारत एक ऐसा देश है जिसकी संस्कृति और विरासत में वस्त्रों की परंपरा अत्यंत समृद्ध और विविधतापूर्ण रही है। पीढ़ियों से करघे (हैंडलूम) भारतीय समाज की पहचान का एक अभिन्न हिस्सा रहे हैं। यह सिर्फ वस्त्र निर्माण की प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। एक ऐसा ताना-बाना जो परंपरा, शिल्पकला और आत्मनिर्भरता के धागों से बुना गया है।

भारत की सांस्कृतिक विरासत में करघे (हथकरघा) का विशेष स्थान है। यह न केवल एक पारंपरिक कला है, बल्कि आत्मनिर्भरता और स्थायी जीवनशैली का प्रतीक भी है। आज के आधुनिक युग में, जहाँ तेजी से फैशन और मशीनीकरण का बोलबाला है, करघा एक बार फिर से लोगों के जीवन का हिस्सा बन रहा है।

यह न सिर्फ पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और स्थानीय कारीगरों को सशक्त बनाने का भी एक सशक्त माध्यम है।

करघे की ऐतिहासिक महत्ता

भारत में करघे की परंपरा सिंधु घाटी सभ्यता से जुड़ी है। मोहनजोदड़ो और हड़प्पा की खुदाई में मिले सूती कपड़ों के अवशेष इस बात के साक्षी हैं कि भारत में बुनाई की कला हज़ारों साल पुरानी है। मुग़ल काल में भारतीय मलमल और मलबारी कपड़ों की विदेशों में भारी माँग थी। ब्रिटिश शासन के दौरान भारतीय हथकरघा उद्योग को गहरा आघात लगा, लेकिन स्वदेशी आंदोलन के तहत महात्मा गांधी ने चरखे और करघे को स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बनाया।

आधुनिक युग में करघे का पुनरुत्थान

आज के समय में, जब पर्यावरण संकट और फास्ट फैशन के दुष्प्रभाव सामने आ रहे हैं, करघा एक स्थायी विकल्प के रूप में उभर रहा है। इसके कई फायदे हैं:

पर्यावरण अनुकूल : करघे से बने कपड़े कम पानी और कम रसायनों का उपयोग करते हैं, जिससे प्रदूषण कम होता है। स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा ङ्क करघा उद्योग ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार पैदा करता है और कारीगरों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है। शिल्प की गुणवत्ता ङ्क हाथ से बुने कपड़े अद्वितीय डिज़ाइन और टिकाऊपन के लिए जाने जाते हैं।

सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण : करघा भारत की विविध बुनाई शैलियों, जैसे बनारसी, पचमड़ा, इकत और खादी को जीवित रखता है।

करघे से जुड़ी चुनौतियाँ

हालाँकि करघा उद्योग को पुनर्जीवित करने के लिए कई सरकारी और गैर-सरकारी प्रयास हो रहे हैं, फिर भी कुछ चुनौतियाँ हैं-

परंपरा से बुना भविष्य

करघा सिर्फ एक उद्योग नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक पहचान है। इसे बचाने और बढ़ावा देने के लिए हमें स्थायी फैशन को अपनाना होगा, स्थानीय कारीगरों का समर्थन करना होगा और इस कला को नई पीढ़ी तक पहुँचाना होगा। करघे से बने कपड़े पहनकर हम न सिर्फ एक बेहतर कल की नींव रख सकते हैं, बल्कि अपनी विरासत को भी सहेज सकते हैं।

जीत के साथ राजस्थान रॉयल्स ने किया आईपीएल 2025 का अंत, आखिरी लीग मैच में सीएसके को दी करारी मात

नई दिल्ली : 188 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी राजस्थान की शुरुआत अच्छी रही। पहले विकेट के लिए यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी के बीच 37 रनों की पार्टनरशिप हुई। जायसवाल 19 गेंदों में 36 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद संजू सैमसन और वैभव सूर्यवंशी के बीच 98 रनों की पार्टनरशिप हुई। दोनों बल्लेबाजों ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी की। वैभव ने बेहतरीन बैटिंग करते हुए अर्धशतक जड़ा और वह 33 गेंदों में 57 रन बनाकर चलते बने। वहीं सैमसन ने 31 गेंदों में 41 रनों की पारी खेली। चार गेंद के अंदर ये दोनों बल्लेबाज आउट हो गए। लेकिन इन दोनों की

साझेदारी क्रक के लिए जीत का नींव रख चुकी थी।

जब वैभव सूर्यवंशी आउट हुए उस वक्त राजस्थान को जीत के लिए 50 रनों की जरूरत थी। यहां से बचा हुआ काम ध्रुव जुरेल और शिमरन हेटमायर ने किया और दोनों टीम को जीत दिलाकर वापस लौटे। जुरेल 12 गेंदों में 31 रन बनाकर नाबाद रहे, तो वहीं हेटमायर 5 गेंदों में 12 रन बनाकर नाबाद रहे। ष्ट्रस्थ्य की गेंदबाजी की बात करें तो आर अश्विन ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। उनके अलावा नूर अहमद और अंशुल कंबोज को 1-1 विकेट मिला।

इससे पहले राजस्थान रॉयल्स ने टॉस जीतकर पहले चेन्नई सुपर किंग्स को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इस मैच में चेन्नई की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 12 के स्कोर पर टीम को डबल झटका लगा। सबसे पहले डेवोन कॉनवे 8 गेंदों में 10 रन बनाकर आउट हुए। उसके बाद नंबर 3 पर बैटिंग करने आए उर्विल पटेल 2 गेंदों में बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए।

इसके बाद आयुष म्हात्रे जो आज अच्छी लय में दिख रहे थे, वह 20 गेंदों में 43 रन बनाकर आउट हुए। वह अर्धशतक लगाने से चूक गए। रवींद्र जडेजा का फ्लॉप शो यहां भी जारी रहा वह 5 गेंद में सिर्फ 1 रन बना पाए। 78 के स्कोर पर 5 विकेट गिरने के बाद चेन्नई की पारी लड़खड़ाती हुई दिख रही थी। इसके बाद डेवाल्ड ब्रेविस ने शिवम दुबे के साथ मिलकर पारी को संभाला।

आईपीएल 2025 फिर होने से पहले बड़ा बदलाव, बीसीसीआई ने लिया अहम फैसला

नई दिल्ली : आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में अब तक तीन टीमों ने अपनी जगह पक्की कर ली है। वहीं कुल मिलाकर पांच टीमें अब इस दौड़ से बाहर हो चुकी हैं। यानी अब दो टीमें ऐसी हैं, जो ना तो बाहर हुई हैं और ना ही उनकी टॉप 4 में अभी जगह सुरक्षित हुई है। इस बीच ये भी तय होना बाकी है कि जो तीन टीमें इस वक्त टॉप पर चल रही हैं, उसमें से पहले नंबर पर कौन सी टीम फिनिश करेगी। दरअसल पहले और दूसरे नंबर पर जो भी टीम लीग चरण का समापन करती है, उसके लिए आगे जाने की चांस ज्यादा हो जाते हैं। इस बीच आईपीएल के एक नियम ने टीमों के होश फख्ता कर दिए हैं। अगर ये नियम पिक्चर में आया तो टीमों के बीच भयंकर तौर पर उठापटक देखने के लिए मिल सकती है।

मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच से होगा प्लेऑफ की चौथी टीम का फैसला

आईपीएल में इस साल अब तक पंजाब किंग्स, आरसीबी और गुजरात टाइटंस ने प्लेऑफ में जगह बना ली है। चौथी टीम का फैसला मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच से होगा। आईपीएल में एक जीत पर दो अंक दिए जाते हैं। अगर मैच किसी कारण नहीं हो पाता है तो फिर दोनों टीमों को एक एक अंक दे दिया जाता है। वहीं हारने पर कुछ भी नहीं मिलता है। जो टीम सबसे ज्यादा अंक लेकर आती है, वो टेबल टॉपर कहलाती है।

अभिषेक शर्मा ने रच दिया इतिहास, आईपीएल में ऐसा करने वाले बने पहले भारतीय

नई दिल्ली : सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने आईपीएल में एक नया रिकॉर्ड अपने नाम किया है। जारी आईपीएल सीजन में स्क्रा। ने अपना पिछला मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम के साथ खेला था, इस मैच में अभिषेक ने 20 गेंदों में 59 रनों की पारी खेली।

उनकी इस पारी के बदौलत हैदराबाद ने आसानी से 206 रनों के टारगेट को हासिल कर लिया। इस पारी के साथ ही अभिषेक ने आईपीएल में एक खास उपलब्धि हासिल कर ली, उनसे पहले कोई भी भारतीय बल्लेबाज ये रिकॉर्ड अपने नाम नहीं कर पाया था।

अभिषेक शर्मा ने इस मैच में 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह आईपीएल में चौथा मौका था जब अभिषेक ने 20 गेंदों से कम में अर्धशतक लगाया। ऐसा करने वाले वो पहले भारतीय बल्लेबाज बने हैं। 20 गेंदों से कम में सबसे ज्यादा बार अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड निकोलस पूरन के नाम है। उन्होंने इस लीग में 5 बार 20 से कम गेंदों में अर्धशतक लगाया है। उनके अलावा ट्रैविस हेड और कायरन पोलार्ड ने भी 4-4 बार ये कारनामा किया था। वहीं जैक फ्रेजर मैकगर्क ने 3 बार ये उपलब्धि हासिल की थी।

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने लखनऊ के खिलाफ मैच में एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया।

बीसीसीआई ने बदल दिया इस अहम मुकाबले का वेन्यू

नई दिल्ली : आईपीएल का ये सीजन बीच में रुकावट के बाद फिर से शुरू तो हो गया है, लेकिन इसके सामने खड़े संकट कम नहीं हो रहा है। अब बीसीसीआई ने आईपीएल के एक और मैच का वेन्यू बदल दिया है। मुकाबले से ठीक तीन दिन पहले ये फैसला लिया गया है। इससे टीमों को कुछ दिक्कत जरूर हो सकती है, लेकिन ये जरूरी था, इसलिए ऐसा किया गया है।

आईपीएल 2025 के बदले हुए शेड्यूल के अनुसार 23 मई यानी शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला खेला जाना है। ये मैच पहले बेंगलरु में रखा गया था, लेकिन अब से कुछ ही देर पहले सूचना आई कि अब ये मुकाबला बेंगलुरु से हटाकर लखनऊ ले जाया जा रहा है।

दरअसल बेंगलुरु में इस वक्त जबरदस्त बारिश हो रही है, ऐसे में इस बात की उम्मीद कम है कि ये मैच वहां पर हो पाए। इसलिए तीन दिन पहले ही बीसीसीआई ने इसका वेन्यू बदलने का ऐलान कर दिया है।

वैसे अगर मैच की बात की जाए तो सनराइजर्स हैदराबाद के लिए ये मैच कुछ भी मायने नहीं रखता, क्योंकि टीम पहले ही इस टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है, लेकिन आरसीबी के लिए ये काफी महत्व का मैच है। आरसीबी की टीम इस वक्त आईपीएल की अंक तालिका में नंबर दो पर है और उसे दो और मैच खेलने हैं।

टीम की कोशिश ये रहेगी कि वो दो और मैच जीतकर अंक तालिका में टॉप करे, ताकि उसे फाइनल में जाने के दो चांस मिलें। लेकिन अब उसे अपने फैंस से दूर लखनऊ में ये मैच खेलना होगा। लखनऊ में इससे पहले आखिरी मुकाबला 27 मई को होने वाला था, लेकिन अब दो मैच वहां हो गए हैं। यानी आरसीबी की टीम 23 मई से पहले ही लखनऊ पहुंच जाएगी, पहले टीम सनराइजर्स हैदराबाद से खेलेगी और इसके बाद वहीं पर रुकी रहेगी, इसके बाद 27 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आाखिरी लीग मैच खेलेगी। यानी आरसीबी की टीम अब अपने बचे हुए दोनों मैच लखनऊ के अटल विहारी वाजपेयी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेलती हुई नजर आएगी।

जो बहुत अधिक बोलता है, वह पाप करता है।

– टालमड

भारत में प्रैक्टिस करने के लिए आ रहे

दुनिया के छोटे-छोटे देशों में मेडिकल शिक्षा लेकर प्रतिवर्ष हजारों चिकित्सक भारत में प्रैक्टिस करने के लिए आ रहे हैं। इन देशों में मेडिकल शिक्षा एक नई अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित हो रही है। पूर्व सोवियत संघ के विघटन से बने यूक्रेन, जॉर्जिया, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान जैसे देशों के साथ-साथ चीन, सूडान, यूगांडा, मॉरिशस व नेपाल बड़ी संख्या में और संभवतया अपेक्षित रूप से कम लागत पर चिकित्सा स्नातक तैयार कर रहे हैं। मेडिकल शिक्षा की अर्थव्यवस्था कितनी बड़ी है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पूर्व सोवियत संघ के छोटे-छोटे देशों में 10 से 15 तक मेडिकल कॉलेज हैं और उनमें आधे से एक तिहाई तक विद्यार्थी भारतीय ही हैं।

एक मोटे अनुमान के अनुसार विगत वर्षों में लगभग 30,000 विद्यार्थी इन छोटे देशों में जाकर चिकित्सा स्नातक के पाठ्यक्रम का हिस्सा बने हैं। भारत में प्रैक्टिस करने के लिए इन चिकित्सा स्नातकों को साल में दो बार आयोजित होने वाले फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन (एफएमजीई) में कंप्यूटर पर 300 ऑब्जेक्टिव टाइप प्रश्नों के जवाब देने होते हैं और मात्र 50 फीसदी अंकों की प्राप्ति के साथ परीक्षा देने वाला स्नातक किसी भी राज्य की मेडिकल काउंसिल में पंजीकरण के योग्य हो जाता है। इस परीक्षा में किसी भी प्रश्न के गलत होने पर निगेटिव अंक भी नहीं दिए जाते हैं।

यानी, कक्षा में पढ़े-लिखे अथवा किताबी ज्ञान के आधार पर विदेशों से स्नातक हुए चिकित्सक सीधे मरीज को इलाज देने के लिए योग्य करार दे दिए जाते हैं। छोटे देशों में पढ़े इन चिकित्सकों की दूरगामी रणनीति में कठिन परिश्रम एवं मरीजों के साथ प्रायोगिक अनुभव रखने वाले भारतीय चिकित्सा स्नातकों के स्नातकोत्तर भर्ती को प्रभावित करना भी होता है।

इन चिकित्सकों की रणनीति यह होती है कि वे परीक्षा उत्तीर्ण कर किसी भी मेडिकल कॉलेज से इंटर्नशिप पूर्ण करते हैं और तत्पश्चात तीन वर्ष सरकारी नौकरी में व्यतीत कर बोनस अंकों के साथ नीट प्रीपीजी परीक्षा के माध्यम से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में अपना स्थान बना लेते हैं। इससे मरीजों के साथ गहन कार्य करने वाले स्थानीय चिकित्सकों को अनावश्यक रूप से प्रतिस्पर्धा में गुजरना होता है।

धर्म की शिक्षाओं को अपनाना

कोई भी काम हिंसक या अहिंसक उसके स्वरूप से नहीं, बल्कि उसके पीछे की मंशा से बनता है। धर्म की रक्षा के लिए आप युद्ध में मर सकते हैं और इससे आपको स्वर्ग की प्राप्ति हो सकती है। लेकिन यह सोचना कि मैं किसी को मार दूंगा और स्वर्ग जाऊंगा गलत है...

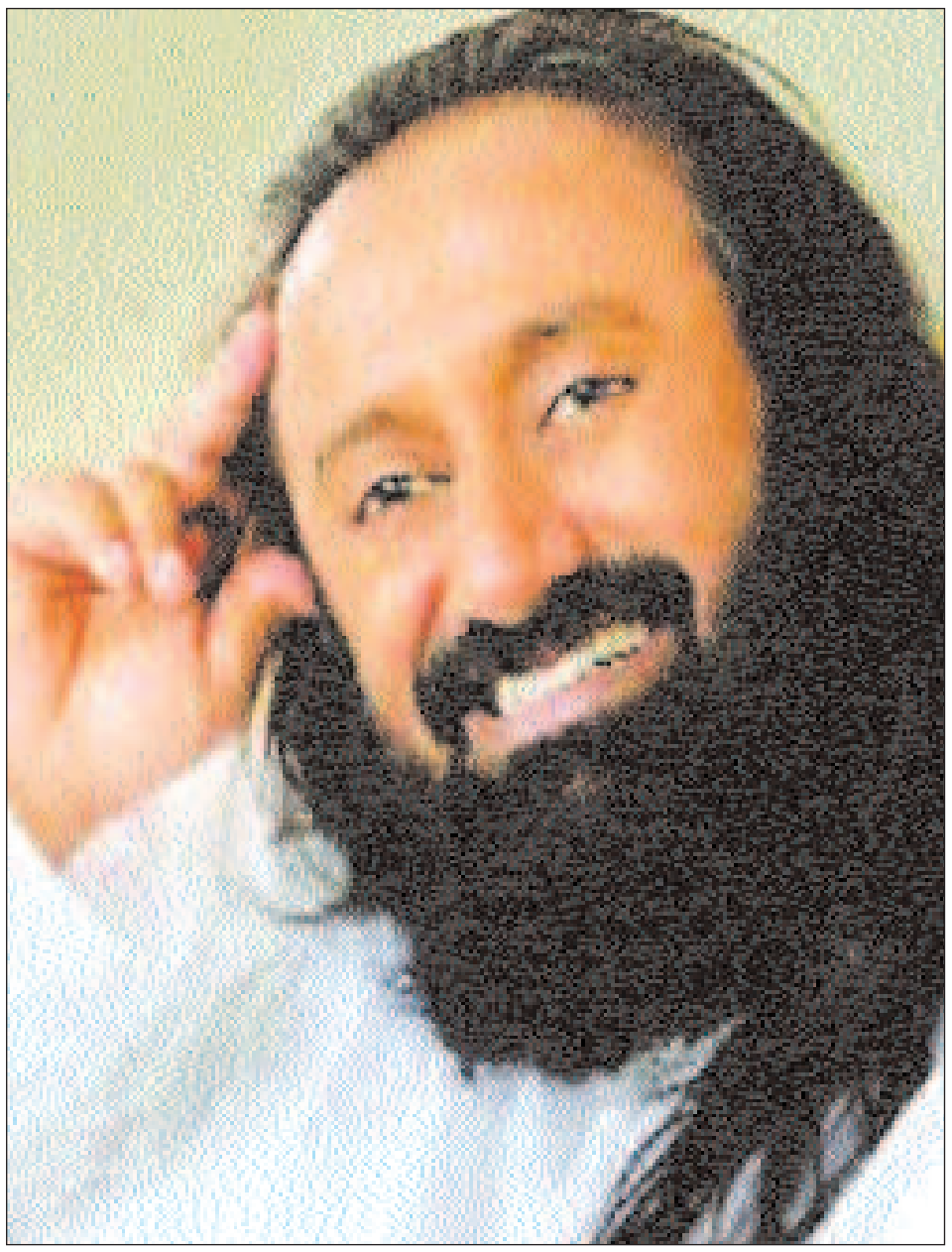

हाल ही में पहलगाम में हुए हमले के बाद, असहाय या क्रोधित महसूस करना स्वाभाविक है। लेकिन शांति और अहिंसा को अकसर निष्क्रिय स्वीकृति के रूप में गलत समझा जाता है। सच्ची अहिंसा कमजोरी या निष्क्रियता नहीं है। यह ताकत है, न्याय को बनाए रखने और जो सही है उसकी रक्षा करने का साहस। आतंकवाद रातोंरात नहीं पनपता। इसे बचपन से ही गलत शिक्षाओं के जरिए लोगों के दिमाग में डाला जाता है। यह खतरनाक धारणा कि किसी को मारने से स्वर्ग में जगह मिल जाती है। ऐसी विकृत धारणाएं, जो आसानी से समझ में आने वाले लोगों के दिमाग में भर दी जाती हैं, असली समस्या रही है। अगर मानवता को शांतिपूर्ण दुनिया बनाने की दिशा में आगे बढऩा है, तो इस विकृत धारणा को पूरी तरह से जड़ से उखाड़ फेंकना होगा। पागल कुत्ता जिसे कोई अपने पड़ोसी को काटने के लिए पालता है, वह अंततः अपने मालिक को भी काटेगा।

आज जो लोग कभी चरमपंथी मानसिकता को पालते थे, वे उसी माहौल से पीड़ित हैं जिसे उन्होंने बनाया था और अब वे नहीं जानते कि इसे कैसे नियंत्रित किया जाए। यही कारण है कि आध्यात्मिकता महत्त्वपूर्ण है। यह धर्म से परे है। यह हमें वसुधैव कुटुंबकम के विचार की ओर ले जाती है, जिसका अर्थ है कि पूरा विश्व एक परिवार है। सनातन धर्म ने हमेशा अहिंसा का पालन किया है। लेकिन समय के साथ, इसका वास्तविक अर्थ गलत समझा गया है। इस गलतफहमी की वजह से भारत को भारी कीमत चुकानी पड़ी है। एक समय था जब हमारे देश ने बौद्ध धर्म को अपनाया था, जो अहिंसा पर बहुत जोर देता है। ऐसे महत्त्वपूर्ण समय में, आदि शंकराचार्य ने भिक्षुओं के हाथों में हथियार वापस रख दिए और उनसे कहा, देश की रक्षा करो, धर्म की रक्षा करो! इस प्रकार अखाड़ों या योद्धा भिक्षु संघों का उदय हुआ। उनके मुख्य देवता कार्तिकेय थे, जो देवताओं के सेनापति और एक महान योद्धा थे। सनातन धर्म को पुनर्जीवित किया गया और भारत का पुनर्निर्माण किया गया। सनातन धर्म हमें सिखाता है कि हिंसा रोकना भी अहिंसा का ही एक रूप है।

महात्मा गांधी का तरीका अंग्रेजों के साथ कारगर रहा, लेकिन उन्होंने एक गलती की। उन्होंने यहूदियों से कहा, अगर हिटलर लोगों को मार रहा है, तो उसे मारने दो। तुम्हें पूरी तरह से आत्मसमर्पण कर देना चाहिए। अहिंसा की यह अवधारणा गलत है। हमारे देवी-देवताओं को भी हथियारों के साथ दिखाया जाता है। जब अर्जुन ने युद्ध के मैदान में लडऩे से इनकार कर दिया, तो भगवान कृष्ण ने कहा, लड़ो! रक्षा करना तुम्हारा धर्म है! उन्होंने कहा, 'योगस्थ कुरु कर्माणि (योग में स्थित रहो और कर्म करो)। जब आप योग में स्थापित हो जाते हैं, तो आप घृणा से काम नहीं करेंगे। कोई भी काम हिंसक या अहिंसक उसके स्वरूप से नहीं, बल्कि उसके पीछे की मंशा से बनता है। धर्म की रक्षा के लिए आप युद्ध में मर सकते हैं और इससे आपको स्वर्ग की प्राप्ति हो सकती है। लेकिन यह सोचना कि 'मैं किसी को मार दूंगा और स्वर्ग जाऊंगा' गलत है। इन अवधारणाओं को सही करने की आवश्यकता है। शुक्र है कि दुनिया इस आवश्यकता के प्रति जागरूक हो रही है।

21 may Page No -7.qxd 5/20/2025 5:10 PM Page 1

गुरु बिन ज्ञान नहीं

भगवान श्री कृष्ण जब अपना शरीर छोड़ रहे थे तब उन्होंने उद्धव से अंतिम गीता कही। श्री कृष्ण ने उद्धव से कहा कि हे! उद्धव, न मैं स्वर्ग में हूं, न ही मंदिर में हूं। मैं तो केवल और केवल अपने भक्तों के हृदय में हूं। मैं तो वहां हूं जहां मेरे भक्त मुझे भजते हैं। भारतीय सभ्यता में कहा गया है कि गुरु बिना गति नहीं। गुरु पूर्णिमा का पूर्ण चांद भी हमारे जीवन की इसी पूर्णता को दर्शाता है...

जैसा कि हम सभी को ज्ञात है, गुरु पूर्णिमा हर वर्ष आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है। इस वर्ष यह पर्व 21 जुलाई को है। गुरु पूर्णिमा को गुरु का दिन माना जाता है, पर वास्तिविकता में यह दिन गुरु का नहीं, बल्कि भक्त का होता है और भक्त के बिना न तो भगवान होते हैं और न ही गुरु। गुरुओं के पास आने वाले लोगों को विद्यार्थी, शिष्य और भक्त की श्रेणियों में रखा जा सकता है। पहले एक विद्यार्थी अपने गुरु के पास जाता है, उनसे कुछ सीखता है, जानकारियां प्राप्त करता है और आगे बढ़ जाता है। यह ठीक ऐसा ही है जैसे एक पर्यटक, पर्यटन की किताब से जानकारी प्राप्त कर ले। एक विद्यार्थी गणित, कम्प्यूटर, इतिहास इत्यादि जैसे अनेक विषयों की जानकारी प्राप्त करता है परंतु जानकारी और ज्ञान में अंतर है। केवल जानकारी प्राप्त करने से जीवन में परिवर्तन नहीं आता। दूसरे हैं शिष्य, जो अपने गुरु के पद

चिन्हों पर चलते हैं। शिष्य का एक लक्ष्य होता है। वह अपने गुरु के पास केवल जानकारी प्राप्त करने हेतु नहीं, अपितु जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने, जीवन का अर्थ समझने या प्रभुतत्व को पाने हेतु आता है। एक शिष्य अपने आप में केंद्रित होता है। एक शिष्य अपनी क्षमतानुसार प्रगति करता है। तीसरे हैं भक्त। भक्त केवल अपने गुरु के उस दिव्य प्रेम का अनुभव करने और उसमें आनंदित रहने आता है। उसे इस से कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसे ज्ञान प्राप्त हो रहा है या नहीं। वह तो हर पल केवल उस दिव्य प्रेम में डूबा रहता है। विद्यार्थी या शिष्य आपको कहीं भी मिल सकते हैं, लेकिन भक्त का मिलना दुर्लभ है। एक पत्थर में भी भगवान होते हैं, एक पेड़ में भी। भगवान के होने में कोई बड़ी बात नहीं है क्योंकि सृष्टि के कण-कण में, हर वस्तु में भगवान बसे हुए हैं लेकिन एक भक्त होना यह महान बात है क्योंकि भक्त बहुत विरले होते हैं। विद्यार्थी दु:ख में आंसू बहाते हैं और भक्त कृतज्ञता में, प्रेम में आंसू बहाते हैं। भक्ति का रस अलग होता है। भक्ति में आंसू बहाना एक अत्यंत सुखद अनुभूति होती है। जब एक व्यक्ति भक्ति में रोता है, वह आपार कृतज्ञता का अनुभव करता है।समस्त सृष्टि उस पल की लालसा करती है कि जब किसी व्यक्ति के दुःख के आंसू, भक्ति के आंसू में परिवर्तित हो जाएं। भगवान श्री कृष्ण जब अपना शरीर छोड़ रहे थे तब उन्होंने उद्धव से अंतिम गीता कही।

श्री कृष्ण ने उद्धव से कहा कि हे! उद्धव, न मैं स्वर्ग में हूं, न ही मंदिर में हूं। मैं तो केवल और केवल अपने भक्तों के हृदय में हूं। मैं तो वहां हूं जहां मेरे भक्त मुझे भजते हैं। भारतीय सभ्यता में कहा गया है कि गुरु बिना गति नहीं। गुरु पूर्णिमा का पूर्ण चांद भी हमारे जीवन की इसी पूर्णता को दर्शाता है। हमें यह अनुभूति करता है कि हमारा जीवन गुरु के आने से पूर्ण हो गया है, हमारी भक्ति खिल उठी। एक भक्त गुरु पूर्णिमा को पूर्ण कृतज्ञता के इसी भाव से मनाता है।

अकेलेपन का आनंद

अकेले होकर स्वयं का सामना करना भयावह और दुखदाई है और प्रत्येक को इसका कष्ट भोगना पड़ता है। इससे बचने के लिए कु छ भी नहीं करना चाहिए, मन को वहां से हटाने के लिए कुछ भी नहीं करना चाहिए। हर एक को इस पीड़ा को भोगना होगा और इससे गुजरना होगा। यह कष्ट और यह पीड़ा एक अच्छा संकेत है कि तुम एक नए जन्म के नजदीक हो, क्योंकि हर जन्म के पूर्व पीड़ा अवश्यंभावी है। इससे बचा नहीं जा सकता और इससे बचने का प्रयास भी नहीं करना चाहिए क्योंकि यह तुम्हारे विकास का एक आवश्यक अंग है। यह पीड़ा क्यों होती है- इसे समझ लेना चाहिए क्योंकि समझ इससे गुजरने में मददगार होगी और यदि तुम इसे जानते हुए इससे गुजर सके, तब तुम अधिक आसानी से और अधिक शीघ्रता से इसके बाहर आ सकते हो। जब तुम अकेले होते हो तो पीड़ा क्यों होती है? पहली बात यह है कि तुम्हारा अहंकार बीमार हो जाता है। तुम्हारा अहंकार तभी रह सकता है जब तक दूसरे हैं। यह संबंधों में विकसित हुआ है, यह अकेले में जी

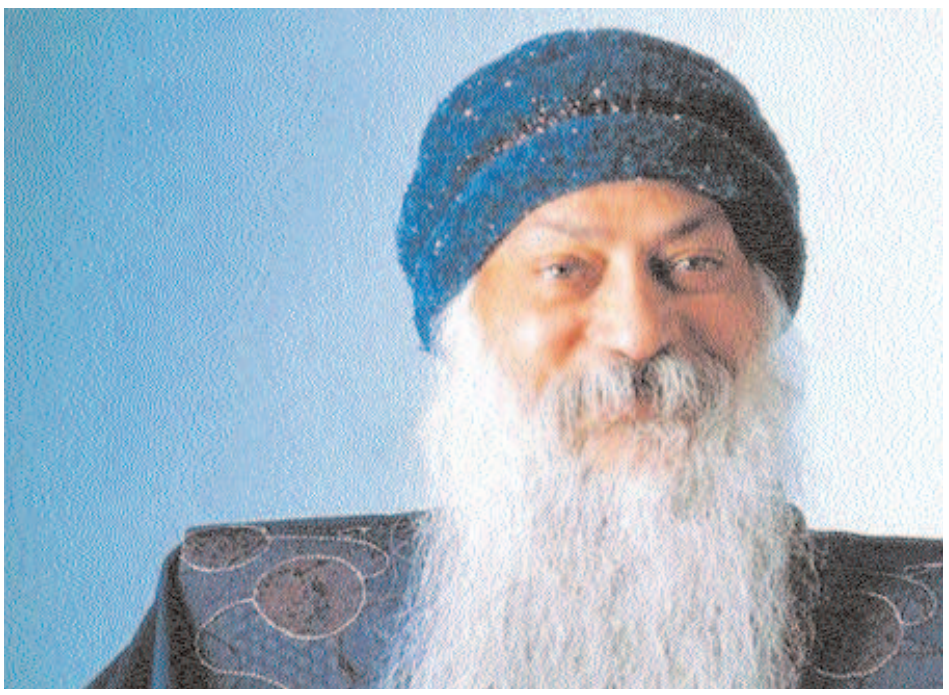

नहीं सकता। इसलिए यदि ऐसी स्थिति आ जाए जिसमें यह जी ही नहीं सकता, तो यह घुटन महसूस करने लगता है, उसे लगता है कि यह मृत्यु के कगार पर है। यह सबसे गहरी पीड़ा है। तुम ऐसा महसूस करते हो जैसे तुम मर रहे हो। लेकिन यह तुम नहीं हो जो मर रहे हो, यह केवल तुम्हारा अहंकार है, जिसे तुमने स्वयं होना मान लिया है, जिसके साथ तुम्हारा तादात्म्य हो गया है। यह जिंदा नहीं रह सकता क्योंकि यह तुम्हें दूसरों के द्वारा दिया हुआ है। यह एक योगदान है। जब तुम दूसरों को छोड़ देते हो तब तुम इसे ढो नहीं सकते। इसलिए अकेलेपन में, तुम जो भी अपने बारे में जानते हो, सब गिर जाएगा, धीरे-धीरे वह विदा हो जाएगा। तुम अपने अहंकार को कुछ समय के लिए लंबा खींच सकते हो और वह भी केवल तुम्हें अपनी कल्पना द्वारा करना होगा, लेकिन तुम इसे बहुत लंबे समय तक नहीं खींच सकते। समाज के बिना तुम्हारी जड़ें उखड़ जाती हैं, जमीन नहीं मिलती जहां से जड़ों को भोजन मिल सके। यही मूल पीड़ा है। तुम्हें यह भी निश्चित नहीं रहता कि तुम कौन हो? तुम एक फैलते हुए व्यक्तित्व मात्र रह गए हो, एक पिघलते हुए व्यक्तित्व। लेकिन यह अच्छा है, क्योंकि जब तक तुम्हारा झूठा व्यक्तित्व समाप्त नहीं होता, वास्तविक प्रकट नहीं हो सकता। जब तक तुम फिर से पूरी तरह धुल नहीं जाते और स्वच्छ नहीं हो जाते, वास्तविकता प्रकट नहीं हो सकती। इस झूठ ने सिंहासन पर कब्जा जमा लिया है।

इसे वहां से हटाना होगा। एकांत में रहने से, जो भी झूठ है सब समाप्त हो जाता है और जो भी समाज द्वारा दिया गया है, सब झूठ है। जो भी दिया गया है, सब झूठ है और जो भी जन्म के साथ आया है, सत्य है। जो किसी दूसरे द्वारा दिया नहीं गया है, वास्तविक है, प्रामाणिक है। लेकिन झूठ को जाना चाहिए और झूठ में तुम्हारा बहुत अधिक निवेश है। इसमें तुमने इतना अधिक निवेश कर रखा है, तुम इसकी इतनी देखभाल करते हो, तुम्हारी सारी आशाएं इसी पर टंगी हैं इसलिए जब यह घुलने लगता है, तुम भयभीत हो जाते हो, डर जाते हो और कांपने लगते हो, तुम स्वयं के साथ क्या कर रहे हो? तुम अपना सारा जीवन, सारे जीवन का ढांचा नष्ट कर रहे हो। भय लगेगा। लेकिन तुम्हें इस भय से गुजरना होगा, तभी तुम निडर हो सकते हो। मैं नहीं कहता कि तुम बहादुर हो जाओगे, मैं कहता हूं तुम निडर हो जाओगे। बहादुरी भी भय का ही एक हिस्सा है। तुम कितने ही बहादुर हो, भय पीछे छिपा ही रहता है। मैं कहता हूं, निडर। तुम बहादुर नहीं हो जाते, जब भय न हो, बहादुर होने की कोई आवश्यकता नहीं रह जाती। बहादुरी और भय दोनों अप्रासांगिक हो जाते हैं। दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। इसलिए तुम्हारे बहादुर आदमी सिवाय इसके कि तुम सिर के बल खड़े हो और कुछ नहीं हैं। तुम्हारी बहादुरी तुम्हारे भीतर छिपी है और तुम्हारा भय सतह पर है, उनका भय भीतर छिपा हुआ है और उनकी बहादुरी सतह पर है।

स्वामी विवेकानंद के धार्मिक विचार

स्वामी विवेकानंद अपने धार्मिक व आध्यात्मिक विचारों के कारण ही विश्व में प्रसिद्ध हैं। विश्व आज भी उनके शिकागो धर्म सम्मेलन (1893) में प्रकट किए गए आध्यात्मिक विचारों को नहीं भूला। उनके प्रमुख धार्मिक विचारों की व्याख्या इस प्रकार से की जा सकती है :

मूर्ति पूजा को मान्यता

विवेकानंद राजाराम मोहन राय व स्वामी दयानंद की तरह मूर्ति पूजा के विरोधी नहीं थे। वे इसके समर्थक थे। उनका मत था कि 'मूर्ति पूजा हिंदुत्व में आवश्यक भी होती है। वह हिंदू के अनुष्ठानिक पक्ष से

सम्बद्ध है। हिंदू लोग दर्शन के स्थान पर मूर्ति पूजा को परम अनुभूति की प्राप्ति हेतु एक माध्यम के रूप में अपनाते हैं।'

हिंदू धर्म से संबंधित विचारविवेकानंद के मत में धर्म वह नैतिक बल है जो व्यक्ति तथा राष्ट्र को शक्ति प्रदान करता है। वे धर्म को व्यक्ति व समाज दोनों के लिए उपयोगी मानते थे। वे हिंदू धर्म को समस्त धर्मों का स्रोत मानते थे। उनकी धर्म की मीमांसा सार्वभौमिक थी। उनके अनुसार हिंदू धर्म में कोई दोष नहीं है, बल्कि दोष धर्म के गलत प्रयोग में है। अत- उसे समाप्त करना चाहिए। वे सार्वभौमिक धर्म के प्रतिपादक थे।

विश्व धर्म के समर्थक

वे विश्व धर्म या सर्वधर्म समन्वय के समर्थक थे। उनका 1893 में शिकागो में दिया गया भाषण भारत की सार्वदैशिकता व विशाल हृदयता से ओत-प्रोत था। वे सर्व धर्म समभाव में विश्वास रखते थे। उन्होंने कहा था, 'जिस प्रकार समस्त नदियां सागर में जाकर मिलती हैं, ठीक उसी तरह मानव के सारे कर्म ईश्वर की ओर ले जाते हैं।'

माया का सिद्धांत

विवेकानंद द्वारा माया के सिद्धांत को अपनाया गया। किंतु उनके मतानुसार इन्द्रियों द्वारा अनुभव होने वाला संसार अवास्तविक नहीं है। माया संसार की व्याख्या का कोई सिद्धांत न होकर तथ्यों का एक कथन है।

दरिद्रों के सेवक

उन्हें दीन-दुखियों व दरिद्रों की सेवा में आनंद मिलता था। उनके अनुसार 'ईश्वर का एक रूप दरिद्र नारायण भी है। अत: दरिद्रों की सेवा ईश्वर की सेवा है। दरिद्र नारायण की सेवा से भी ईश्वर की प्राप्ति व उतनी ही आध्यात्मिक व धार्मिक उन्नति होती है, जितनी कि योग, ज्ञान, भक्ति, ध्यान एवं उपासना आदि साधनों से होती है।'

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक लोकेश सूद द्वारा 109/6, लोअर बाजार, शिमला से प्रकाशित तथा भारतेन्दु ऑफसैट प्रिंटिंग प्रैस, औद्योगिक क्षेत्र, ख्यारा चौकी, शोघी, शिमला-173219 से मुद्रित। व्यवस्थापक सीमा सूद।
सम्पादकीय कार्यालय एवं फैक्स : 2808285
आर.एन.आई.नं. एचपीएचआईएन/ 2000/2437
पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं. एच पी/68/एस एम एल
bhartendushikhar20@yahoo.com

देश-विदेश

हिंदुओं पर होते रहे हमले, सोई रही पुलिस

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बीते महीने हुई सांप्रदायिक हिंसा को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट की निगरानी में गठित जांच समिति ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस हिंसा में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का एक नेता भी शामिल था। हिंसा उस समय भड़की जब वक्फ संशोधन विधेयक पारित किया जा रहा था और हमले का निशाना खासतौर पर हिंदू समुदाय के लोग बने। रिपोर्ट में कहा गया है कि जब पीड़ित लोगों ने मदद के लिए पुलिस को पुकारा, तो पुलिस ने कोई जवाब नहीं दिया। सूत्रों के मुताबिक, जांच समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि मुर्शिदाबाद के स्थानीय पार्षद महबूब आलम ने खुद इन हमलों का नेतृत्व किया।

परमाणु समझौते के लिए अमरीकी शर्तों पर भड़के खामेनेई

तेहरान : अमरीका और ईरान के बीच चल रही परमाणु वार्ता से कोई नतीजा निकलता नहीं दिख रहा है। यूरेनियम संवर्धन को लेकर दोनों देशों में तनातनी मची है और इसी बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई अमरीका पर भड़क गए हैं। खामेनेई का कहना है कि अमरीका ईरान को यूरेनियम संवर्धन से रोक रहा है, जो उसके लिए अपमानजनक है। उनका कहना है कि परमाणु समझौते के लिए अमरीका ईरान के सामने बहुत ज्यादा शर्तें रख रहा है। ईरान की सरकारी मीडिया ने इसकी जानकारी दी है, जिसके मुताबिक, खामेनेई इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं हैं कि अमरीका-ईरान के बीच परमाणु समझौता वार्ता किसी नतीजे पर पहुंचेगी। खामेनेई ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि अमरीका के साथ परमाणु वार्ता का कोई नतीजा निकलेगा।

रोहिंग्या घुसपैठियों से देश और रोजगार दोनों पर संकट

अमरावती : आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने मंगलवार को राज्य में रोहिंग्या घुसपैठियों को लेकर गहरी चिंता जताई। उन्होंने इसे न केवल स्थानीय लोगों की रोजगार से बेदखली, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा बताया। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसे लोग आधार कार्ड और राशन कार्ड कैसे पा रहे हैं? पवन कल्याण ने कहा कि 2017-18 के बीच मुझे खासकर सुनार समुदाय से कई शिकायतें मिलीं कि बंगाल से लोग आंध्र आकर काम करने लगे हैं। शक है कि इनमें से कई म्यांमार से आए रोहिंग्या हैं। इसके पीछे स्थानीय स्तर पर कोई नेटवर्क काम कर रहा है, जिसकी जांच बेहद जरूरी है।

मंत्रिमंडल की बैठक में पशु मित्र नीति-2025 को मंजूरी

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में पशु मित्र नीति-2025 को मंजूरी दी गई। इस नीति के अंतर्गत पशुपालन विभाग में मल्टी टास्क वर्कर (पशु मित्र) के 1,000 पद भरे जाएंगे। बैठक में स्कूलों में पुस्तकालयों का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा विभाग में जूनियर ऑफिस असिस्टेंट (पुस्तकालय) के 100 पद भरने को मंजूरी दी गई। इसके अतिरिक्त, राजस्व विभाग में वरिष्ठ सहायक के 10 पद तथा जूनियर ऑफिस असिस्टेंट (आईटी) के 15 पद सृजित करने को स्वीकृति प्रदान की गई। मंत्रिमंडल ने हिमाचल प्रदेश राज्य परिवहन अपीलीय न्यायाधिकरण, हमीरपुर में विभिन्न श्रेणियों के पांच पद भरने को भी मंजूरी दी। आयुष विभाग में बैचवाइज आधार पर आयुर्वेदिक फार्मेसी अधिकारी के पांच पद भरने का निर्णय लिया गया है।

राज्य के गौसदनों में गौवंश के लिए चारा पर दिए जाने वाले अनुदान को प्रति गौवंश 700 रुपए से बढ़ाकर 1200 रुपए प्रतिमाह करने का फैसला लिया गया। मंत्रिमंडल ने ऑपरेशन थियेटर सहायकों के मासिक मानदेय को 17,820 रुपए से बढ़ाकर 25,000 रुपए करने तथा रेडियोग्राफरों व एक्स-रे तकनीशियनों के मासिक मानदेय को 13,100 रुपए से बढ़ाकर 25,000 रुपए करने का निर्णय लिया है। राज्य में क्षरित वन क्षेत्रों में कॉर्पोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के तहत निजी उद्यमियों द्वारा वृक्षारोपण के लिए मुख्यमंत्री ग्रीन अडॉप्शन योजना को मंजूरी दी गई। बैठक में नगर निगम शिमला में घाटी की ओर भवनों के निर्माण को प्रतिबंधित करने के लिए हिमाचल प्रदेश नगर एवं ग्राम नियोजन नियम, 2014 में संशोधन को मंजूरी दी गई।

सीएम से मिला कोटखाई का प्रतिनिधिमंडल

शिमला : मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से जिला शिमला के कोटखाई स्थित थरौंक के एक प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की। उन्होंने तुर्की के सेब आयात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का मुददा केंद्र सरकार के समक्ष उठाने सहित अन्य मांगें मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की जायज मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल ने सेब बागबानों के लिए प्रदेश सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही विभिन्न पहलों जैसे कि यूनिवर्सल कार्टन और वजन के आधार पर सेब का क्रय-विक्रय सुनिश्चित करने को सीएम का आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्रवासियों की सुविधा के लिए कोकू नाला से घरोक के लिए संपर्क सड़क और कचनाला से घरोक के लिए पेयजल योजना के निर्माण की मांग मुख्यमंत्री के समक्ष रखी।

संयुक्त किसान मंच ने तुर्की के सेब पर प्रतिबंध लगाने के लिए राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : संयुक्त किसान मंच के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज राजभवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से भेंट की। मंच ने राज्यपाल के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तुर्की से सेब आयात पर प्रतिबंध लगाने के लिए ज्ञापन सौंपा। मंच के संयोजक हरीश चौहान ने राज्यपाल को अवगत करवाया कि भारत वर्तमान में लगभग 44 देशों से सेब आयात करता है, जिसमें तुर्की भारत को प्रतिवर्ष लगभग 1.29 लाख मीट्रिक टन सेब निर्यात करता है। उन्होंने कहा कि तुर्की भारत को सेब निर्यात से लगभग 800 से 1,000 करोड़ रुपए के वित्तीय लाभ अर्जित करता है। हिमाचल प्रदेश में सेब उद्योग के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए चौहान ने बताया कि राज्य में प्रतिवर्ष 6 से 10 लाख मीट्रिक टन सेब का उत्पादन होता है तथा लगभग 3 से 4 लाख परिवार प्रत्यक्ष रूप से इस क्षेत्र पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि तुर्की से सेब आयात पर प्रतिबंध लगाने से न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले तथा पाकिस्तान के साथ घनिष्ठ संबंध रखने वाले देशों को एक कड़ा संदेश भी जाएगा। राज्यपाल ने मंच की मांगों के प्रति समर्थन व्यक्त किया तथा प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि उनका ज्ञापन राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह मामला सीधे तौर पर राज्य की आर्थिक खुशहाली से जुड़ा है तथा किसानों और बागवानों के हितों की रक्षा की जानी चाहिए।

राज्य में विकास परियोजनाओं को तेजी से क्रियान्वित कर रही प्रदेश सरकार : विक्रमादित्य

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने आज यहां कहा कि लोक निर्माण और शहरी विकास विभागों के तहत विकासात्मक परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए व्यापक रणनीति अपनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि शहरी विकास विभाग, पीडब्ल्यूडी और नाबार्ड के वरिष्ठ अधिकारियों, इंजीनियरों और कार्यकारी अधिकारियों के साथ हाल ही में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के चरण-4 के तहत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) अपलोड करने में देश में अग्रणी है। उन्होंने कहा कि राज्य 1500 किलोमीटर सड़क निर्माण के महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में कार्य कर रहा है और इसके लिए स्थानीय समुदायों और पंचायतों से पूर्ण सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि समय पर भूमि की उपलब्धता और स्थानीय सहयोग के अभाव में लक्ष्य को 400 से 500 कि.मी. तक हासिल किया जा सकता है। वन विभाग की मंजूरी में देरी और विभाग के नाम पर भूमि का पंजीकरण न होने जैसी प्रमुख चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में पंचायती राज और ग्रामीण विकास विभागों के साथ एक संयुक्त बैठक की योजना बनाई जा रही है।